Sociology

class:- MJC-1

Topic:- Social Control: ~~Characteristics~~ Agencies

सामाजिक नियंत्रण: ~~विशेषता~~ साधन एवं अभिकरण

सामाजिक नियंत्रण वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा समाज अपने सदस्यों के व्यवहार को स्वीकृत नियमों, मूल्यों, और आदर्शों के अनुरूप बनाए रखता है। प्रत्येक समाज में व्यवस्था, अनुशासन और सामन्जस्य बनाए रखने हेतु विभिन्न साधनों एवं अभिकरणों का प्रयोग किया जाता है। इन्हीं को सामाजिक नियंत्रण के साधन कहा जाता है

1. विश्वास – विश्वास मानव व्यवहार को नियंत्रित करने का एक अभिशाली साधन है जैसे– स्वर्ग-नरक में आस्था, कर्म सिद्धांत, पाप-पुण्य की धारणा। इन्हीं विश्वासों से व्यक्ति अच्छे कार्य करने और बुरे कर्मों से बचने का प्रयत्न करता है।
2. प्रथा (Customs) – प्रथाएँ समाज द्वारा स्वीकृत नियम या व्यवहार के तरीके हैं, जिन्हें व्यक्ति पीढ़ी दर पीढ़ी अपनाता है और उसी के अनुरूप ढल जाता है।
3. जनरीतियाँ (Folkways) – दैनिक जीवन की सामान्य आदतें जैसे :– अभिवादन करना, बड़ों का सम्मान आदि। ये सामाजिक नियंत्रण के साधन हैं परंतु इनका उल्लंघन करने पर भी समाज असंतोष प्रकट करता है।
4. सदाचार (Morals) – सत्य बोलना, ईमानदार रहना, चोरी न करना आदि नैतिक मूल्य व्यक्ति को आत्म-नियंत्रण की ओर प्रेरित करते हैं।
5. धर्म (Religion) – धार्मिक नियम, पूजा पाठ के नियम, पाप-पुण्य की अवधारणा व्यक्ति के जीवन को अनुशासित बनाती है।
6. कानून (Law) – आधुनिक समाज में कानून सबसे शक्तिशाली औपचारिक साधन है
7. न्यायालय (Court) – न्यायालय कानून की रक्षा करता है और अपराधियों को दण्डित करता है। इससे समाज में भय और अनुशासन बना रहता है।
8. जनमत (Public opinion) – समाज की सामूहिक राय व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करती है। प्रशंसा और आलोचना व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित करती है।

Ajanta Officer